e-paper : www.dailynewsactivist.com लखनऊ, मंगलवार, 6 जून 2017, ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष द्वादशी, संवत् 2074 विक्रमी वर्ष-10, अंक-231, पृष्ठ-16,
website : www.dnahindi.com
शब्द शब्द संघर्ष
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट
RNI NO.: UPHIN/2007/41982
डाक पंजीयन : एसएसपी/एल.डब्लू./एन.पी.-358/2016-18
संस्करण : लखनऊ ■ इलाहाबाद ■ वाराणसी ■ फैजाबाद ■ कानपुर

पर्यावरण के प्रति किया गया जागरूक

सीएमएस रेडियो के तत्वावधान में निकाली गई पर्यावरण जागरूकता रैली

कल्याणपुर मैकाले टेंपो स्टैंड के पास विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर समाजसेवी ओमकार चन्द्र पांडेय, रजनीश रावत व पवन पाल ने सैकड़ों पौधे वितरित किए

लखनऊ (डीएनएन)। राजधानी के स्कूल-कॉलेजों से लेकर राजधानी में कई जगह पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्याक्रम आयोजित किए गए। कहीं पर्यावरण संबंधी चित्रकला, पेंटिंग, नाटक, पर्यावणीय गीत-संगीत प्रतियोगिता तो कहीं रैली निकाल कर लोगों को इसके प्रति जागरूक किया गया।

नेशनल पीजी कॉलेज : यहां भूगोल विभाग के साथ रिमोट सेंसिंग जीआईएस विभाग तथा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने संगठन मैंगो फाउंडेशन के तत्वाधान में कैम्पस टू कम्यूनिटी प्रोग्राम के अन्तर्गत इंदिरा नगर स्थित लवकुश नगर मलिन बस्ती के लगभग सौ बच्चों व समाज के विभिन्न वर्गों के लिए प्र्यावरण जागरूकता

● स्कूल-कॉलेजों सहित कई जगह पर हुई पर्यावरण संबंधी चित्रकला, पेंटिंग, नाटक प्रतियोगिता

कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर बच्चों के लिए पर्यावरण सम्बंधी चित्रकला प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता, नाटक प्रतियोगिता, पर्यावरणीय गीत संगीत, कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 50 औषधीय पौधों का भी रोपण किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए एनबीआरआई लखनऊ के वैज्ञानिक डॉ. राजेश बाजपेयी ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन यूएनओ के अन्तर्गत 1972 से दुनिया भर में पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए किया जा रहा है। सन् 2017 में इस दिवस का मोटो 'लोगों का प्रकृति' से जुड़ना है। इसीलिए भूगोल विभाग ने इस दिन को 'प्रकृति' के नाम से आयोजित करके समाज को पर्यावरणीय सुरक्षा व संरक्षण का दिशा निर्देश दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबंधक प्रो. डीपी सिंह ने प्रतियोगिता में शामल बच्चों को पुरस्कृत किया।

निकाली रैली

सिटी मॉन्टेसरी स्कूल में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सीएमएस प्रधान कार्यालय पर आयोजित 'पर्यावरण समारोह' में सीएमएस संस्थापक डॉ. जगदीश गांधी, स्कूल की प्रेसीडेन्ट प्रो. गीता गांधी किंगडन, बुलेटिन की एडीटर डॉ. प्रीति शंकर आदि ने बिगड़ते हुए जलवायु परिवर्तन व पर्यावरण के दूषित होने के कारणों पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण संवर्धन के लिए जोरदार अपील की। शिक्षाविद् डॉ. जगदीश गांधी ने कहा कि प्रकृति प्रदत्त धरती के संसाधनों एवं इस धरती के अनुपम धरोहर पेड़-पौधों का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। सीएमएस अपने सभी 53,000 छात्रों व उनके माता-पिता व अभिभावकों के माध्यम से समस्त लखनऊ वासियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित कर रहा है। दूसरी ओर सीएमएस रेडियो के तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता रैली एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रैली शंकर चौराहा, गोमती नगर से लेकर विशाल खंड स्थित सी.एम.एस. गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) तक गई।

पौधों को संरक्षित करने का संकल्प : नवयुग कन्या महाविद्यायल की एनसीसी कैडेट्स कशिश, रेखा, नीतू, सोनाली, डिम्पल व स्नेहा ने एनीसी प्रभारी मेजर डॉ. मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में पर्यावरण सुरक्षा में नैतिक जिम्मेदारी निभाते हुए महाविद्यालय कैम्पस में लगे पौधों संरक्षित करने का संकल्प लिया।

पॉलिथिन मुक्त लखनऊ अभियान का प्रारंभ : सनातन महासभा की ओर से संचेतना वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से जीपीओ गांधी प्रतिमा स्थल पर पॉलिथिन मुक्त लखनऊ अभियान का प्रारम्भ किया गया। संयोजक डॉ. प्रवीण ने बताया कि नौ जून को होने वाली 26वीं गोमती आरती में इस बार पॉलिथिन मुक्त कराने का संकल्प लेने के साथ ही पौधरोपण किया जाएगा।

जागरूकता से ही चुनौतियों से निपटने में सक्षम होंगे : स्कूल ऑफ मै नेजमेंट साइंसेज के प्रांगण में समारोह के मुख्य अतिथि मंत्री (प्राविधिक एवं चिकित्सा शिक्षा) आशुतोष टंडन ने 50 किलोवाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया। पर्यावरण दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में सांसद प्रतिनिधि गृहमंत्री भारत सरकार दिवाकर त्रिपाठी ने संस्थान की ऊर्जा संरक्षण में पहल की सराहना करते हुए कहा कि यदि इसी प्रकार पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बनी रही तो हम प्राकृतिक समस्याओं एवं चुनौतियों से जूझने में सक्षम रहेंगे। संस्थान के सचिव शरद सिंह ने बताया कि एसएमएस द्वारा ऊर्जा संरक्षण का यह पहला कदम यहीं नहीं रुकेगा, आने वाले दिनों में हम पूरे एसएमएस प्रांगण में सौर ऊर्जा का उपयोग करना सुनिश्चित करेंगे।

वहींसेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड) ने एन्वायरनमेंट एक्शन ग्रुप 'प्लैनेट पलटन' के साथ मिलकर 44वां विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। 'प्लैनेट पलटन' के करीब 50 सदस्यों ने जागरूकता अभियान के माध्यम से न सिर्फ यूएनईपी के इस वर्ष के थीम 'लोगों को प्रकृति से जोड़ना' को बढ़ावा दिया, बल्कि एक सकारात्मक संदेश का भी प्रचार प्रसार किया। 'प्लैनेट पलटन' के सदस्य विरेन्द्र कुमार ने कहा कि पर्यावरण के प्रति जागरूक होने के नाते, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को लोगों के बीच प्रोत्साहित करना अपना कर्तव्य मानता हूं।

नेचर सेल्फी डे के रूप में मनाया जाए पर्यावरण दिवस

नेचर इंसान के लिए एक अद्भुत देन है, ऐसे में लोगों के द्वारा नेचर के साथ ली जाने वाली सेल्फी एक अच्छा प्रेरक है। लोगों के मन में नेचर को बढ़ाने की जागरूकता का विकास हो, ऐसे में पर्यावरण दिवस को नेचर सेल्फी डे के रूप में मनाना चाहिए। यह विचार सोमवार को केजीएमयू में पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट द्वारा पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के कुलपति प्रो. एमएलबी भट्ट ने व्यक्त किए। प्रो. भट्ट ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना हर मनुष्य की जिम्मेदारी है। पर्यावरण प्रदूषण की 80 से 90 प्रतिशत समस्या कचरा निस्तारण के उचित प्रबंधन से समाप्त हो जाएगी। इसलिए प्रकृति को बचाने के लिए कचरा निस्तारण के उचित इंतजाम होने चाहिए। पर्यावरण सेल की प्रो. कीर्ति श्रीवास्तव ने कहा कि अस्पतालों में नहीं बल्कि अन्य स्थानों पर भी कचरा प्रबंधन की आवश्यकता है। पैरामेडिकल साइंस के डीन प्रो. विनोद जैन ने कहा की पर्यावरण की रक्षा करना हम सब की जिम्मेदारी है, जलवायु वन एवं वातावरण को संरक्षित रखना न केवल हमारा कर्तव्य है बल्कि हमारा धर्म भी है। इससे हमारे आने वाली पीढ़ी सुखमय जीवन व्यतीत कर सकेगी। वशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित मुख्य वन संरक्षक ओपी सिंह ने कहा कि पुरातन काल से ही भारत में पौधों एवं जन्तु संरक्षण की दृष्टि से इनको देवी-देवताओं के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। प्रधान वन संरक्षक डॉ. रुपक डे ने बताया कि प्रदेश का वन क्षेत्र 16580 वर्ग मीटर है जिसका संरक्षण करके हम जन ससमान्य की सेवा कर सकते हैं।